

No. of Printed Pages : 10

BHMCT-103

B. A. (HONS.) (PERFORMING ARTS)

HINDUSTANI MUSIC

(BAPFHMH)

Term-End Examination

December, 2025

**BHMCT-103 : FUNDAMENTALS OF
HINDUSTANI MUSIC**

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : *All questions are compulsory.*

1. Fill in the blanks with appropriate words from the options given below : $2 \times 10 = 20$

(Options : Vishnu Digambar Paluskar, Sangeet Parijat, Shuddha Gandhar, Kafi, Margi, Sharangdev, Sourindra Mohun Thakur, Shadj-Pancham Bhava, Kakali Nishad, Sangeet Ratnakar)

- (i) music was sung following some special rules and it was dear to God.
- (ii) In ancient times there were only two Vikrita Swaras—Antar Gandhara and
- (iii) The distance between two notes having an interval of 13 Shruti was called
- (iv) By the time of Natyashastra, Gram had become obsolete.
- (v) The author of 'Sangeet Ratnakar' is
- (vi) The name of an instrument called Jalyantra, similar to the modern Jaltarang, is first mentioned in the medieval text
- (vii) The medieval ten-fold Raga classification system is mentioned in the book

- (viii) The efforts of
 in introducing the
 harmonium instrument to the common
 people are noteworthy.
- (ix) The ticket system for watching a
 performance of classical music was first
 introduced by

- (x) Raga Desh is a Raga of Thaata.

2. Match the followings : 1×10=10

- | | |
|-----------------------------------|--|
| (i) Sourindra Mohun
Thakur | (a) Sangeet
Parijat |
| (ii) William Jones | (b) The Music of
Hindustan |
| (iii) Fox Strangeways | (c) On the Musical
Modes of
Hindus |
| (iv) Vishnu Narayan
Bhatkhande | (d) A Treatise on
the Music of
India |

- | | |
|---------------------------------|---|
| (v) Parshvadev | (e) The Music of India |
| (vi) Pt. Ahobal | (f) Introduction to the Study of Indian Music |
| (vii) E. Clements | (g) Kramik Pustak Malika |
| (viii) Vishnu Digambar Paluskar | (h) The Universal History of World Music |
| (ix) Captain Willard | (i) Sangeet Samay Saar |
| (x) H. A. Pople | (j) Sangeet Baal Prakash |

3. Write short notes on any *five* of the following :

5×6=30

- (i) Anibaddha Gaan
- (ii) *Ten* characteristics of Jati
- (iii) Purvang Vadi Raga

- (iv) Moorchchhanas of Madhyam Gram
- (v) Shadj Gramin Shruti System by Bharat
- (vi) Description and Theka of any Taala of your syllabus
- (vii) According to Krishna Mat, six main Ragas and their Raginis.
- (viii) Features of Raag Alhaiya Bilawal

4. Answer any *two* of the following questions :

2×20=40

- (i) Describing the Sarana Chatushtaya process introduced by Bharat, explain in detail which theory he tried to clarify.
- (ii) Briefly describe Sangeet Ratnakar.
- (iii) Describe the Thaata-Raaga classification introduced by Pt. Bhatkhande.
- (iv) Describe in detail the role of Raja Sourindra Mohun Thakur in the revival of Indian music.

BHMCT-103

बी. ए. (ऑनर्स) (प्रदर्शन कला) हिन्दुस्तानी संगीत

(बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एच.एम.सी.टी.-103 : हिन्दुस्तानी संगीत के मूल

सिद्धान्त

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रिक्त स्थानों को नीचे दिए गए विकल्पों में से उचित शब्द द्वारा भरिए : 2×10=20

(विकल्प : विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, संगीत पारिजात, शुद्ध गांधार, काफी, मार्गी, शारंगदेव, सौरीन्द्र मोहन ठाकुर, षड्ज-पंचम भाव, काकली निषाद, संगीत रत्नाकर)

(i) संगीत किन्हीं विशेष नियमों का पालन करते हुए गाया जाता था और यह ईश्वर को प्रिय था।

- (ii) प्राचीन काल में केवल दो ही विकृत स्वर थे—अंतर गांधार तथा ।
- (iii) 13 श्रुतियों के अंतराल वाले दो स्वरों की दूरी को कहा जाता था ।
- (iv) नाट्यशास्त्र के समय तक ग्राम अप्रचलित हो चुका था ।
- (v) 'संगीत रत्नाकर' के रचयिता हैं ।
- (vi) आधुनिक जलतरंग से मेल खाता जलयंत्र नामक वाद्य का नाम सर्वप्रथम मध्यकालीन ग्रंथ में मिलता है ।
- (vii) मध्यकालीन दशविध राग वर्गीकरण पद्धति का उल्लेख ग्रंथ में मिलता है ।
- (viii) हारमोनियम वाद्य को साधारण लोगों से परिचित कराने में का प्रयास उल्लेखनीय है ।

- (ix) शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रम के प्रदर्शन को देखने के लिए टिकट व्यवस्था का प्रचलन सबसे पहले
..... द्वारा किया गया।
- (x) राग देश थाट का राग है।

2. निम्नलिखित का मिलान कीजिए : 1×10=10

- | | |
|-------------------------------|--|
| (i) सौरीन्द्र मोहन
ठाकुर | (a) संगीत पारिजात |
| (ii) विलियम जोन्स | (b) म्यूजिक ऑफ हिंदुस्तान |
| (iii) फॉक्स स्ट्रेंगवेज | (c) ऑन द म्यूजिकल मोड्स
ऑफ हिंदुज |
| (iv) विष्णु नारायण
भातखंडे | (d) ए ट्रीटाइज ऑन द
म्यूजिक ऑफ इंडिया |
| (v) पार्श्वदेव | (e) द म्यूजिक ऑफ इंडिया |
| (vi) पं अहोबल | (f) इन्ट्रोडक्शन टू द स्टडी
ऑफ इंडियन म्यूजिक |

- | | |
|----------------------------------|---|
| (vii) ई. क्लीमेंट्स | (g) क्रमिक पुस्तक मालिका |
| (viii) विष्णु दिगम्बर
पलुस्कर | (h) द यूनिवर्सल हिस्ट्री ऑफ
वर्ल्ड म्यूजिक |
| (ix) कैप्टेन विलार्ड | (i) संगीत समय सार |
| (x) एच. ए. पोप्ले | (j) संगीत बाल प्रकाश |

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ
लिखिए : 5×6=30

- (i) अनिबद्ध गान
- (ii) जाति के दस लक्षण
- (iii) पूर्वांग वादी राग
- (iv) मध्यम ग्राह की मूर्च्छनाएँ
- (v) भरत द्वारा षड्ज ग्रामीण श्रुति व्यवस्था
- (vi) पाठ्यक्रम के किसी भी ताल का वर्णन और ठेका
- (vii) कृष्ण मत अनुसार छह मुख्य राग और उनके रागिनी
- (viii) राग अल्हैया बिलावल की विशेषताएँ

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2×20=40

- (i) भरत द्वारा प्रणीत सारणा चतुष्टयी प्रक्रिया का वर्णन करते हुए उन्होंने किस सिद्धांत को प्रतिपादित किया, विस्तारपूर्वक बताइए।
- (ii) संगीत रत्नाकर का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
- (iii) भातखंडे द्वारा प्रणीत थाट-राग वर्गीकरण का वर्णन कीजिए।
- (iv) भारतीय संगीत के पुनरुत्थान में राजा सौरीन्द्र मोहन ठाकुर की भूमिका का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

× × × × ×